Pattern of Dist. & Density of Pop. India

भारत का क्षेत्रफल (32.8) लाख वर्ग किमी विश्व के कुल क्षेत्रफल का 2.4% है जहाँ विश्व की 16% जनसंख्या निवास करती है।

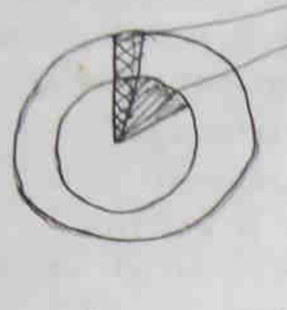

→ विश्व के कुल क्षे० का 2.4% = भारत का क्षेत्रफल
→ ,, ,, ,, जनसंख्या का 16% = भारत की जनसंख्या
• उ० द० अमेरिका की ,, × = ,,
• अफ्रिका की ,, × 2 = ,,
• आस्ट्रेलिया की ,, × 4.4 = ,,
• रूस की ,, × 2.5 = ,,
• ब्रिटेन की ,, × 7 = ,,

जनसंख्या की दृष्टिकोण से विश्व में भारत का स्थान दूसरा एंव क्षेत्रफल की दृष्टि से सातवाँ है। 2001 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या 102.71 करोड़ थी। विश्व में जनसंख्या की दृष्टि से चीन का स्थान सर्वप्रथम है।

भारत में जनसंख्या का वितरण :—

भारत में लगभग 40% जनसंख्या सतलज, गंगा, ब्रह्मपुत्र के मैदान में पाई जाती है। पूर्वी तटवर्ती भाग में महानदी डेल्टा तटीय मैदान, गोदावरी, कृष्णा डेल्टा तथा कावेरी डेल्टा व पश्चिम में मलाबार, कोंकण तट पर लगभग 20% जनसंख्या केन्द्रित है इस तरह देश की 60% जनसंख्या विस्तृत उपजाऊ कृषि प्रधान मैदानी भागों में पाई जाती है जिनकी ऊँचाई समुद्र सतह से 200 m से कम है समतल धरातल, अनुकूल जलवायु, उर्वर मिट्टियां, वर्षा अथवा सिंचाई के द्वारा पर्याप्त जलपूर्ति सघन कृषि के द्वारा वर्ष में एक ही भूमि पर दो तीन फसलें उगाने, यातायात की सुविधायें, सूती-ऊनी वस्त्र, जूट, काँच, चीनी, कागज, नारियल तथा कई प्रकार के कृषि पर आधारित उद्योगों के कारण जनसंख्या सघन है। इन प्रदेशों में जनसंख्या का घनत्व 300 व्यक्ति / Km^2 से अधिक है। इस प्रदेश के अधिकांश भाग में जनसंख्या का घनत्व 500 से 800 व्यक्ति / Km^2 के बीच है तथा कुछ भागों में वह 800 व्यक्ति / Km^2 से भी अधिक है।

दक्षिण के पठार (Deccan Plateau) में जनसंख्या का घनत्व मध्यम है। इस विस्तृत पठारी प्रदेश में जनसंख्या का विक्षेपण नदी-घाटियों तथा नदियों द्वारा निर्मित उच्च समतल पठारों पर अधिक

तथा विषम धरातल वाले क्षेत्रों में कम है। गुजरात व काठिया. मालवा का पठार, नर्मदा की घाटी, छत्तीसगढ़ का मैदान, छोटानागपुर का पठार, बरार, आंध्रप्रदेश व कर्नाटक के पठारी भागों में जनसंख्या का घनत्व सामान्य है। इन प्रदेशों में जनसंख्या का घनत्व 100 से 300 व्यक्ति/km^2 है। असमान धरातल, सीमित कृषि भूमि, अनुर्वर व अल्प उर्वर मिट्टियाँ, साधारण पर अनिश्चित वर्षा, सिंचाई के साधनों की कमी एवं प्रति हेक्टेयर कृषि उत्पादन, कम यातायात के अपर्याप्त तथा सीमित औद्योगिक विकास के कारण दक्षिण के पठार (Deccan Plateau) में जनसंख्या का वितरण व घनत्व दोनों मध्यम स्तर का है। अधिकांश ग्रामीण जनसंख्या छोटे व मध्यम आकार के ग्रामीण अधिवासों में विक्षेपित है।

जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले कारक :—

जनसंख्या का वितरण पारिस्थितिक दशाओं (Ecological Condition) से अधिक प्रभावित है। औद्योगिक प्रदेशों व नये औद्योगिक केन्द्रों में घने बसे भागों से जनसंख्या का स्थानांतरण हो रहा है। इससे घने बसे क्षेत्र में जनसंख्या वृद्धि दर कम है निरपेक्ष वृद्धि अधिक होने के कारण घनत्व में वृद्धि हुई है। जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारक निम्न है:—

I) भौतिक कारक — धरातलीय उच्चावच, जलवायु, विशेषकर वर्षा का वितरण, जलपूर्ति, मिट्टियों की उर्वरता, प्राकृतिक वनस्पति की सघनता।

II) सांस्कृतिक कारक — कृषि का स्वरूप, औद्योगिक विकास की अवस्था, आर्थिक उत्पादन, यातायात के साधन तथा अन्य तृतीयक व्यवसायों का विकास, नगरीकरण।

III) अन्य कारक - ऐतिहासिक, राजनैतिक, सामाजिक, व धार्मिक।

सतलज-गंगा के मैदान की तुलना में दक्षिण के प्रायद्वीपीय पठार अथवा हिमालय के पर्वतीय प्रदेशों में जनसंख्या कम है। मैदानी भागों की उर्वर जलोढ़ मिट्टियाँ, पठारी लेटेराइट, लाल, पीली अथवा काली, लावा मिट्टियों से अधिक उपजाऊ है। मैदानी भागों में सघन जनसंख्या के कारण यहाँ कृषि सघन, सिंचाई, परिवहन, उद्योग धंधे व व्यापार की सुविधायें है। इसके विपरीत पहाड़ी व पठारी भाग कृषि तथा सिंचाई के अनुकूल नहीं है।

जलवायु जनसंख्या के वितरण का प्रधान नियंत्रक है। अत्यधिक ठंडे हिमालय के ऊपरी भाग, अत्यधिक गर्म, शुष्क थार के मरुस्थल में जनसंख्या विरल है। इन क्षेत्रों में कृषि विरल, सिंचाई परिवहन, उद्योग धंधे व व्यापार की सुविधायें बहुत कम है।

राज्यों का वर्गीकरण :—

देश में राज्यों की दृष्टि से घनत्व संबंधी अतिशयतायें काफी मिलती है। एक ओर देश का कम घना बसा प्रदेश अरूणाचल प्र० हैं जहाँ पर 13 व्यक्ति/km^2 है, जबकि दूसरी ओर देश का सबसे अधिक घनत्व दिल्ली प्रदेश में 9292 व्यक्ति/km^2 मिलता है। चण्डीगढ़, पाण्डीचेरी व लक्षद्वीप की ऐसी ही स्थिति मिलती है। राज्यों में सबसे अधिक घनत्व प० बंगाल (904), बिहार (880), केरल (819) आदि है। 400 व्यक्ति/km^2 से अधिक घनत्व रखने वाला राज्य हरियाणा, U.P, तमिलनाडु, पंजाब है। जिन राज्यों में घनत्व 150 व्यक्ति/km^2 से कम मिलता है उसमें मणिपुर, मेघालय, नागालैण्ड, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, अण्डमान-निकोबार, मिजोरम, व हिमाचल प्रदेश शामिल है।

देश के औसत से अधिक घनत्व उन्ही राज्यों व क्षेत्रों में पाया जाता है जहाँ आर्द्र जलवायु पायी जाती है। इसका विस्तार गंगा मैदान, तटीय मैदान पर पाया जाता है। देश के उत्तरी-पूर्वी व सुदूर उत्तरी भाग में घनत्व 110 से भी कम मिलता है। छत्तीसगढ़ का बस्तर, गुजरात का कच्छ व राजस्थान के जैसलमेर, बीकानेर और बाडमेर जनपदों में काफी घनत्व कम पाया जाता है। इसके विपरीत कई नगरीय क्षेत्रों में घनत्व 10,000 व्यक्ति/km^2 से भी अधिक पाया जाता है। जैसे- ग्रेटर मुम्बई 21190, ग्रेटर कोलकाता 24760, दिल्ली 25760, ग्रेटर हैदराबाद 16988 और ग्रेटर चेन्नई 24231 व्यक्ति/km^2 घनत्व रखते है।

जनसंख्या के आकार की दृष्टि से भारत के राज्यों का वर्गीकरण - 2001

जनसंख्या का आकार की (दस लाख में)	राज्यों की संख्या	प्रायद्वीपीय भारत Peninsular India	Extra Peninsular India
>100 M	1		U.P (16.61 करोड़)
50-100 M	9	महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, M.P, राजस्थान, कर्नाटक, गुजरात	बिहार
10-50 M	9	उड़ीसा, केरल, झारखण्ड, छत्तीसगढ़	असम, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, J&K
1-10 M	8	त्रिपुरा, मेघालय, गोवा	अरूणाचल प्रदेश, उत्तरांचल, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, नागालैण्ड,
<01 M	8	पाण्डिचेरी, मिजोरम, अण्डमान निकोबार, दादरा नगर हवेली, दमन दीव, लक्षद्वीप,	

भारत में जनसंख्या घनत्व का प्रादेशिक वितरण :— 32.87 लाख km^2 क्षेत्र फैले भारत की 102.70 करोड़ जनसंख्या देश के सभी भागों में समान रूप से वितरीत नहीं है। 2001 में जनसंख्या का गणितीय घनत्व 324 व्यक्ति/km^2 है। 2001 में उत्तर प्रदेश देश का सबसे जनसंख्या वाला राज्य है लेकिन क्षेत्रफल की दृष्टि से पाँचवां राज्य है। राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से प्रथम है लेकिन जनसंख्या की दृष्टि से आठवां बड़ा राज्य है। इस प्रकार देश में जनसंख्या के वितरण को समझाने के लिए इन राज्यों को तीन वर्गों में रखा जा सकता है।—

I) उच्च घनत्व वाले क्षेत्र (Areas of high density) :—

इसमें वे राज्य शामिल है जहाँ 500 व्यक्ति/km^2 से अधिक घनत्व पाया जाता है। इस राज्य या क्षेत्र में भूमि की उत्पादक शक्ति अधिक है। जनसंख्या घनत्व अधिक मिलता है, क्योंकि देश की 3/4 जनसंख्या, प्रत्यक्ष रूप से जीविकोपार्जन के लिए कृषि पर निर्भर करती है। उपजाऊ कांप मिट्टी के मैदान U.P, बिहार हरियाणा, पंजाब, पश्चिम बंगाल राज्यों के अधिकांश पर पाये जाते है। पूर्वी-पश्चिमी, तटीय मैदान भी इसी प्रकार की उपजाऊ मिट्टी रखते है। इन उपजाऊ मैदान पर भी घनत्व सबसे अधिक पाया जाता है।

विशाल मैदान देश की 45.8% जनसंख्या रखता है जबकि वह केवल 19% भूभाग घेरे हुए है। इस मैदान में अधिक घनत्व के कई कारण है—

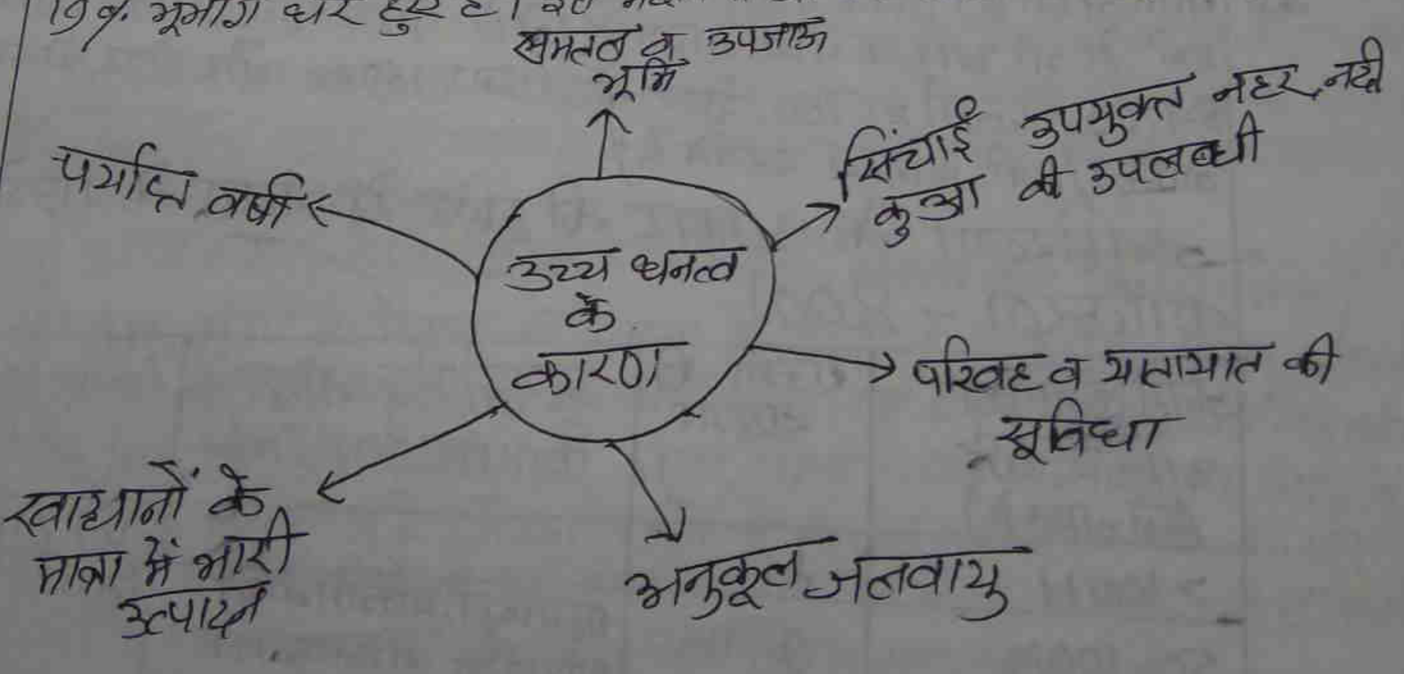

II) मध्यम घनत्व के क्षेत्र (Areas of Medium density) :—

इसमें वे राज्य शामिल किये जा सकते है जहाँ पर घनत्व 251 से 350 व्यक्ति के बीच पाया जाता है। आंध्र प्रदेश (275)

। असम (340), कर्नाटक (275), गुजरात (258), महाराष्ट्र (314), उड़ीसा (236) त्रिपुरा (304) मध्यम घनत्व वाले राज्य है। आमतौर से देश के वह भू-भाग जहाँ मानव निवास की परिस्थितियां उपर्युक्त क्षेत्रों की अपेक्षा कम अनुकूल है। वहाँ घनत्व मध्यम पाया जाता है। प्रायद्वीपीय पठार का अधिकांश भाग इसी के अंतर्गत आता है और कुछ अपवादों को छोड़कर पश्चिम में अरावली पहाड़ियों व सह्याद्री, पूर्व में पूर्वीघाट, उत्तर में यमुना व बुंदेलखण्ड पठार के बीच मध्यम वाला क्षेत्र फैला है। यहाँ पर मध्यम घनत्व पाये के निम्न कारण है।

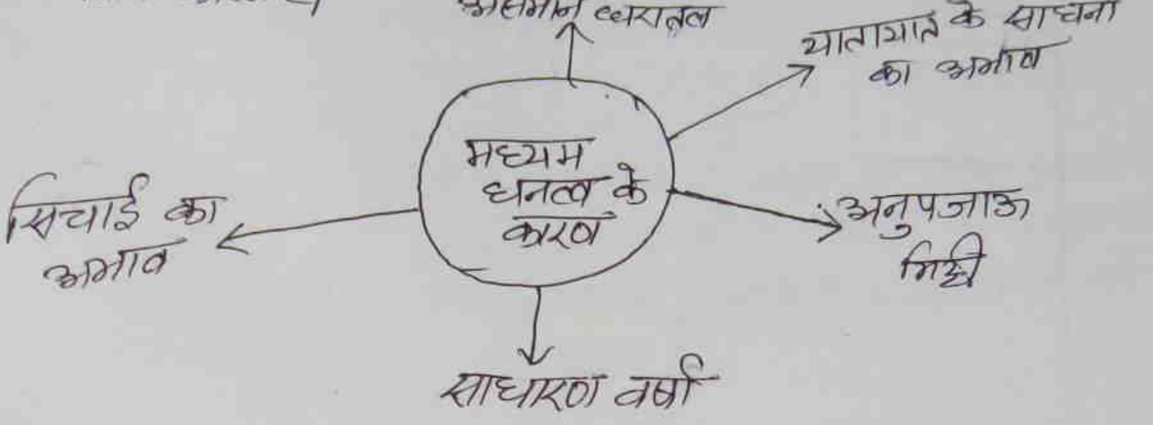

III कम घनत्व वाले क्षेत्र (Areas of low density) :—

इनमें वे राज्य शामिल है जहाँ घनत्व 250 व्यक्ति / km^2 से कम पाया जाता है। हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, मणिपुर मेघालय, नागालैण्ड, राजस्थान, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, जम्मु-कश्मीर, अण्डमान-निकोबार आदि इसी श्रेणी में आते है। इन राज्यों का अधिकांश भाग निम्न भौतिक विशेषताओं के कारण कम घनत्व रखता है। —

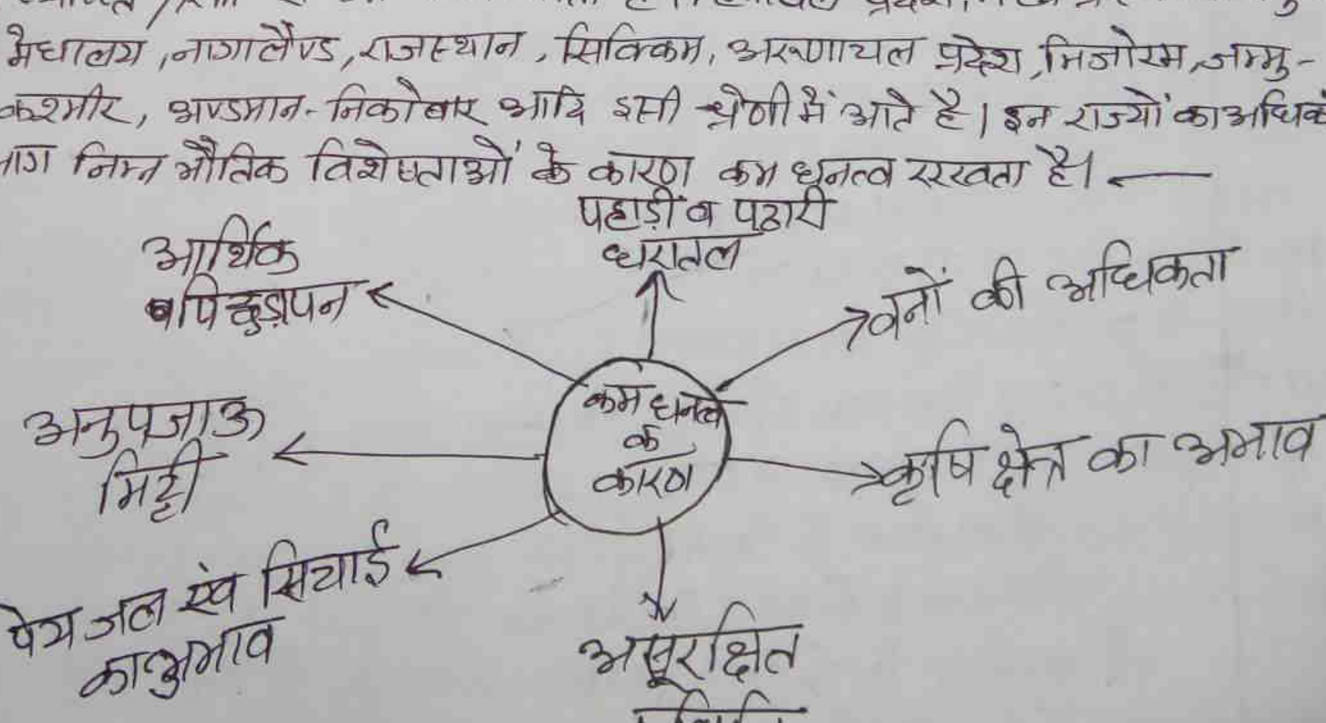

इन सब कमियों के कारण जनसंख्या इन क्षेत्रों में नहीं बस सकी। हिमाचल में स्थित सुदूरवर्ती पर्वतीय जैसे जिले, उत्तरी पूर्वी भारत, तथा पठारी भाग के पहाड़ी जिले जनसंख्या का कम घनत्व रखते है। यहाँ के प्रतिकूल परिस्थितियां, निम्नतापमान, ऊँचा-नीचा धरातल, सघन वन, कम वर्षा तथा असुरक्षा आदि ने जनसंख्या के घनत्व को प्रभावित करता है।

—!o!—